JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मो. हसन भी सूर्य मिशन का हिस्सा

लखनऊ विश्वविद्यालय में विदेशी छात्राओं ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को रक्षासूत्र बांधा ● सौजन्य से ली

जागरण संवाददाता, लखनऊ : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से स्टेनकर को भारत के पहले सूर्य मिशन के तहत आदित्य एल-1 लांच किया जाएगा। इस मिशन की टीम में लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और वैज्ञानिक मोहम्मद हसन भी जुड़े हैं। वह इससे मुख्यालय में साइंस प्रोग्राम ऑफिस में प्रोग्राम मैनेजर हैं।

लवि की सहगेल शास्त्र विभाग की डा. अल्का मिश्रा ने बताया कि मोहम्मद हसन ने लखनऊ विश्वविद्यालय से गणित, खगोल और भौतिक विज्ञान विषय के साथ 2004 से 2006 तक पढ़ाई कर बीएससी की डिग्री पूरी की थी। वह मेधावी छात्रों में शामिल रहे हैं। इसके बाद उन्होंने बीएएस से एमएससी व पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उनका चयन इसरो में हुआ। वह हमेशा से अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में जाने की उत्सुक थे। इसे में करिअर भी बनाना चाहते थे। अपने सेवाकाल के लगन की वजह से वह आज आदित्य एल-1 मिशन से जुड़े हैं।

मोहम्मद हसन भूतीशाला में तैनाती

लवि खुद लेगा बीटेक, बीफार्मा में प्रवेश

एकेटीयू की ओर से काउंसिलिंग न शुरू हो पाने की वजह से लवि ने लिया निर्णय

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राजकीय विश्वविद्यालय अब बीटेक, बीफार्मा व एमसीए पाठ्यक्रम में सीधे दाखिले लेगा। डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की समस्या समाने में शुक्रवार कोर्ट से राहत न मिलने देख अब तक काउंसिलिंग नहीं शुरू हो पाई है। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्वयं प्रवेश लेने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को लवि ने इसके लिए सत्र सितंबर तक आनलाइन पंजीकरण का मौका दी है। जिसपर गाइडलाइन जारी की है। विस्तृत विवरण के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in देख सकते हैं।

लवि में संचालित बीटेक, एमसीए और बीफार्मा की सीटों पर प्रवेश एकेटीयू के माध्यम से लिया जाता है। बाकी खाली सीटें भरने पर लवि अपने स्तर से सीधे दाखिले पर प्रवेश देता है। लेकिन एकेटीयू ने अब तक काउंसिलिंग ही नहीं शुरू की, जिसकी वजह से सत्र लेट होना तय लवि ने खुद ही प्रवेश का निर्णय लिया है। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने जेईई मेन, सीयूईटी यूजी व सीयूईटी पीजी की परीक्षा दी है। वह बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई), मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एसीए व बीफार्मा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

12 सितंबर को मेरिट जारी की जाएगी। 13 से 17 सितंबर तक जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में आफलाइन काउंसिलिंग होगी। प्रवाश विलिंग के आधार पर सीट आवंटित की जाएगी। बीटेक व बीफार्मा की फीस 60,080 रुपये, एमसीए की फीस 56,080 रुपये है।

कोचिंग सीट : बीटेक सिविल इंजीनियरिंग 60, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग 120, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई) 12 इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग 60, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 60, मैकेनिकल इंजीनियरिंग 60, बीफार्मा 10 एमसीए 30 सीटें।

एमएससी बायोटेक्नोलाजी में प्रवेश चार तक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : आजादी कालेज में एमएससी बायोटेक्नोलाजी में प्रवेशके के लिए तीसरी मेरिट सूची जारी कर प्रवेश शुरू कर दिया गया है। मेरिट में चयनित अभ्यर्थी चार सितंबर तक सुबह 11 से 1.30 के बीच प्रवेश के लिए संपर्क कर सकते हैं।

कोचिंग में दाखिले शुरू

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राधा बी नरायण कोचिंग्स (बी कालेज) (केकेबी) में बीए, बीएससी व बीकाम की कक्षाएं शुक्रवार से शुरू हो गईं। छात्रों द्वीपेश सजल मिश्र की और बी.जमी सुल्ताना के अनुसार छात्र-छात्राओं को कालेज की सुविधाओं में अपने के निर्देश दिए गए हैं। (निजमुन्नार ?? प्रतिष्ठा उपाध्याये भी अनिवार्य है।

लविवि अब खुद करेगा बीटेक, एमसीए, बीफार्मा के दाखिले

एकेटीयू के संबद्धता मामले के निस्तारण में देरी के चलते लिया फैसला

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय बीटेक, एमसीए और बीफार्मा की सभी सीटों पर अब खुद दाखिले करेगा। अभी तक इन पाठ्यक्रमों की ज्यादातर सीटों पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के माध्यम से दाखिले होते थे। एकेटीयू के संबद्धता मामले के निस्तारण में देरी के चलते लविवि प्रशासन ने यह फैसला लिया है। दाखिले के लिए जेईई-मेंस और सीयूईटी देने वाले अभ्यर्थी सात सितंबर तक लविवि की वेबसाइट पर पंजीकरण करा सकते हैं।

एकेटीयू में प्राविधिक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को संबद्धता देने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित है। यह तारीख बीतने के बाद भी कॉलेजों के मान्यता प्रकरण का निपटारा नहीं हो सका है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट एवं एकेटीयू को कोई राहत नहीं मिल सकी। इसकी वजह से एकेटीयू की काउंसिलिंग से दाखिला लेने वाले कॉलेज और विवि परेशान हैं। विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए होने वाली समस्याओं को देखते हुए लविवि ने चची हुई शेष सीटें भी अपने स्तर भरने का निर्णय कर लिया है। अभ्यर्थी को आवेदन करने के लिए लविवि की वेबसाइट के एडमिशन पेज में जाकर बीटेक और बीफार्मा पेज पर आवेदन करना है। किसी तरह की समस्या आने पर प्रवेश समन्वयक कार्यालय में संपर्क करना होगा।

इन कोर्सों में प्रवेश के लिए मांगे गए आवेदन

बीटेक सीएस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक सीएस एंड इंजीनियरिंग (एआई), मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक एंड कम्यूनिकेशन, इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग, एमसीए, बीफार्मा।

> एकेटीयू से काउंसिलिंग प्रक्रिया में देरी के चलते छात्रों को प्रवेश के लिए होती समस्या को देखते हुए लविवि ने समस्त सीटें अपने स्तर भरने का निर्णय लिया है। इसके लिए जेईई मेंस और सीयूईटी की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी सात सितंबर तक वेबसाइट पर पंजीकरण करवा सकते हैं। –डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव प्रवक्ता लविवि

कालीचरण व डीएवी में 15 तक आवेदन

लखनऊ। कालीचरण डिग्री कॉलेज व डीएवी डिग्री कॉलेज में स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब 15 सितंबर तक आवेदन कर प्रवेश लिया जा सकता है। डीएवी में सत्र 2023-24 के बीए, बीएससी और एमए पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश दिए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों की 50 फीसदी सीटों पर सीधे दाखिले दिए जा रहे हैं। प्राचार्य प्रो. सुधांशु सिन्हा ने बताया कि कॉलेज में बीए की 550, बीएससी मैथ्स व बायो में 385 व एमए प्राचीन भारतीय इतिहास की 66 सीटें हैं। इनकी 50 प्रतिशत सीटों पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश लिए जा रहे हैं। वहीं कालीचरण के प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने कहा कि यूपी-पीजी में 15 सितंबर तक दाखिले लिए जा रहे हैं। (संवाद)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

भारतीय खगोल तकनीक को बढ़ावा देगा लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय भरतीय खगोल तकनीक को बढ़ावा देगा। अपने विद्यार्थियों को खगोल विज्ञान में दक्ष बनाने के लिए विवि ने शुक्रवार को ब्राटिनो टेक्नोलॉजीज के साथ एक महत्वपूर्ण करार किया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि के खगोल विज्ञान विभाग के ऐतिहासिक पहलुओं को याद करते हुए खगोल शास्त्र की महत्ता पर चर्चा की गई। ब्राटिनो के निदेशक सचिंद्र नाथ ने कहा कि उनकी संस्था लविवि अंतरिक्ष जागरूकता कार्यक्रम के तहत नई तकनीक और उपकरण विकसित करने में सहयोग करेगी इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रो. पूनम टंडन, खगोल शास्त्र विभाग की प्रो. डॉ अल्का मिश्रा मौजूद रहीं। (संवाद)

चांद के बाद सूरज पर भी बिखरेगी लविवि की चमक

लखनऊ। चांद के बाद अब सूरज पर भी लखनऊ विश्वविद्यालय की चमक दिखाई देगी। इसरो की ओर से भेजे जाने वाले आदित्य एल-1 मिशन में लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे वैज्ञानिक मो. हसन भी जुड़े हैं। इससे पहले मिशन चंद्रयान-2 में लविवि की पूर्व छात्रा डॉ. रितु कारिधल मिशन निदेशक की जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। लविवि के पूर्व छात्र और वैज्ञानिक मो. हसन इसरो मुख्यालय में साइंस प्रोग्राम ऑफिस के प्रोग्राम मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं। मो. हसन ने वर्ष 2006 में बीएससी की डिग्री हासिल की थी। हसन ने बीएससी में गणित, खगोल और भौतिक विज्ञान विषय ले रखा था। बीएससी करने के बाद बीएचयू से एमएससी व पीएचडी की डिग्री हासिल करने के बाद उनका चयन इसरो में हो गया। आदित्य एल-1 मिशन में वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आएंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

मो. हसन

नेपाल के शिक्षक लविवि में आकर करेंगे शोध

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब शोध कार्य के लिए विजिटिंग फैकल्टी ने आना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को सुदूर पश्चिमी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य तीर्थ राज पनेरू लविवि कैंपस पहुंचे। यहां भौतिक विज्ञान के शिक्षक पनेरू का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने स्वागत किया। प्रो. पूनम ने बताया कि लविवि नई शिक्षा नीति के तहत लगातार नवाचार का प्रयोग कर रहा है।

इसी क्रम में नेपाल के शिक्षक यहां शोध करने आए हैं। उन्हें उनके विषय पर रिसर्च करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय से फेलोशिप मिली है। वह अगले छह माह तक भौतिक विज्ञान विभाग में रिसर्च कार्य करेंगे। (संवाद)

TOI PAGE 5

LU, Gorakhpur co to revamp planetarium

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University's planetarium which has been lying defunct for over two decades will become operational so-on. LU on Friday has signed a pact with a Gorakhpur-based company to provide guidance and support for the advancement and revamp of its planetarium.

The private company will provide a roadmap on making the planetarium functional within limited means and assist in getting financial aid from stakeholders. The university's planetarium had last simulated the motions of heavens in 1985 during the 72nd edition of the Indian Science Congress. It has been lying neglected since then. "We have joined hands with a private firm which is basically a space research organization established by a group of scientists and engineers from various fields of science and technology linked with space science. When it comes to planetariums, they are an expert, be it installation or revamp of the existing ones," said dean, academics, Prof Poonam Tandon.

She said that the organisation will also conduct special programmes to help students understand theories.

Planetarium has capacity of 100

According to LU officials, the planetarium boasts an impressive dome measuring eight metres in diameter with a seating capacity of 100 persons. The original planetarium projector machine, a SPITZ-Model A1, was procured in 1946. Notably, it was the first model worldwide capable of observing stars brighter than magnitude 4.3. Only 40 such models were manufactured, with one finding its home at LU. It was built in 1949, following initiatives of Prof AN Singh and was among the few in the country back then.

NBT PAGE 5

पीएचडी छात्र शिशिर की पीसीएस जे में दूसरी रैंक

जागरण संवाददाता : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीसीएस) की ओर से जारी उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज परीक्षा परिणाम में लखनऊ विश्वविद्यालय के 34 और छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। खास बात ये है कि लवि से पीएचडी करने वाले छात्र शिशिर यादव को इस परीक्षा में प्रदेश में दूसरा स्थान मिला है। विश्वविद्यालय के विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने बताया कि लवि से कुल 35 छात्र-छात्राएं पीसीएस-जे में पास्ड हुए हैं। शहर के अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में सबसे ज्यादा विद्यार्थी लवि के ही हुए सफलता पाए हैं।

इन्हें मिली सफलता : आकांक्षा पालक 46 रैंक, प्रियंका टिवारल 267 रैंक, समृद्धि मिश्रा 65 रैंक, स्वाति यादव 203 रैंक, आस्था सिंह 192 रैंक, सौरावी राज 120 रैंक, शुचिका रुना 241 रैंक, प्रतिभा 160 रैंक, जेहा 264 रैंक, अविका 236 रैंक, प्रज्ञा पांडे 162 रैंक, कुसुम कमी 242 रैंक, अनुभवा शर्मा 212 रैंक।

'सिलेबस को छोटे पार्ट में बांटकर पढ़ें'

लवि के विधि संकाय के पीएचडी कर रहे छात्र शिशिर यादव ने पीसीएस जे में प्रदेश में दूसरी रैंक हासिल की है। प्रयागराज के रहने वाले शिशिर के पिता कृष्ण शंकर और मम्मी शकुंतला यादव ने छात्रोंके हैं। छोटे भाई ने भी बीएएलएलबी किया है। वह कहते हैं कि सफलता के लिए जरूरी है कि सिलेबस को छोटे पार्ट में बांट ले और अच्छाकर रोज पढ़ें।

विपाशा बनीं जज

विपाशा एमबीबीएस ने भी पीसीएस जे में बाजी मारी है। विपाशा ने लोहिया लाइ यूनिवर्सिटी से एलएलबी अभ्यर्थ किया। उनके पिता डा. कुमार ओंकार रंजन के अस्ट्रेलियाओ महान अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और मां सरीता केडीय विद्यालय अलीगंज में शिक्षिका हैं।

आस्था का चयन

यूपी-पीसीएस जे में आस्था सिंह ने दूसरीरा हुई है। उनके माता-पिता सरकारी सेवा में है। आस्था ने मार्ट कामेन कालेज से इंटरमीडिएट किया है। इसके बाद डा. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय से एलर्स की पढ़ाई की पूरी की।

AMIT VICHAR PAGE 8

LU में बनेगा पहला स्वदेशी एस्ट्रोनॉमी रिसर्च सेंटर

ब्राटिनो टेक्नॉलजी के साथ हुआ एमओयू, अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में दोनों संस्थान मिलकर करेंगे काम

एनबीटी सं, लखनऊ : अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में काम करने के लिए शुक्रवार को एलयू ने एक एमओयू किया है। इसके तहत विवि के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में बने प्लेनेटोरियम को भारत की पहली स्वदेशी खगोल विज्ञान शोधशाला के रूप में स्थापित किया जाएगा।

एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि गोरखपुर की ब्राटिनो टेक्नॉलजी के साथ भारतीय खगोल तकनीक को बढ़ावा देने के लिए एमओयू हुआ। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन के अनुसार एलयू और ब्राटिनो टेक्नॉलजी मिलकर भारत की की पहली स्वदेशी खगोल विज्ञान शोधशाला स्थापित करेंगे। इससे भारत को आकाशगंगा में एक नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकेगा। इस मौके पर ब्राटिनो के निदेशक सचिन्द्र नाथ, खगोलशास्त्री डॉ. अलका मिश्रा भी मौजूद रहीं।

शोध करने आए नेपाल के शिक्षक : एलयू में अब शोध कार्य के लिए विजिटिंग फैकल्टी ने आना शुरू कर दिया है। इसके तहत शुक्रवार को सुदूर पश्चिमी विवि के सहायक आचार्य तीर्थ राज पनेरू एलयू कैंपस पहुंचे। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने उनका स्वागत किया। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि नेपाल के शिक्षक को उनके विषय पर रिसर्च करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय से फेलोशिप मिली है। वह अगले छह महीने तक भौतिक विज्ञान विभाग में अपना रिसर्च कार्य करेंगे।

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में दूसरे सप्ताह में : एलयू में एकेडमिक काउंसिल की बैठक के लिए एजेंडा तैयार हो गया है। इसी महीने के दूसरे सप्ताह में एकेडमिक काउंसिल की बैठक होनी है। बैठक में मुख्य रूप से फैकल्टी बोर्ड से पास नियोंग समेत बोर्ड ऑफ स्टडीज के निर्णय रखे जाएंगे। साथ ही अन्य अकादमिक फैसले भी लिए जाएंगे।

i-NEXT PAGE 6

HINDUSTAN PAGE 8

आदित्य मिशन में एलयू के पूर्व छात्र मो. हसन निभा रहे अहम भूमिका

उपलब्धि

लखनऊ, संवाददाता। चन्द्रयान -3 की सफलता के बाद एक बार फिर लखनऊ के वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय फलक पर छाने को तैयार हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और वैज्ञानिक मोहम्मद हसन भी आदित्य एल-1 मिशन से जुड़े हैं। वह इसरो मुख्यालय में साइंस प्रोग्राम ऑफिस के प्रोग्राम मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं।

एलयू के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग से वैज्ञानिक, इंजीनियर एसई मोहम्मद हसन ने वर्ष 2006 में बीएससी की डिग्री हासिल की है। विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अलका मिश्रा ने बताया कि हसन बीएससी करने के बाद बीएचयू से एमएससी व पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उनका चयन इसरो में हुआ।

सूर्य की परतों का अध्ययन करेगा आदित्य-एल1: एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अलका मिश्रा ने बताया कि सूर्य की विभिन्न परतों का अध्ययन करने के लिए आदित्य-एल1 सात पेलोड से जाएगा। अंतरिक्ष यान में लगे यह पेलोड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक, पार्टिकल और मैग्नेटिक फील्ड डिटेक्टर्स की मदद से फोटोस्फियर, क्रोमोस्फियर और सूर्य की सबसे बाहरी परत कोरोना का अध्ययन करेंगे। खगोलशास्त्री डॉ. अलका मिश्रा का कहना है कि सात में चार पेलोड सीधे सूर्य का अध्ययन करेंगे और बाकी तीन एल1 पर पार्टिकल्स और फील्ड्स का इन-सीटू (यथास्थान) अध्ययन करेंगे। इससे इंटरप्लेनेटरी (अंतरग्रहीय) माध्यम में सौर गतिविधि के प्रसार प्रभाव का आज वैज्ञानिक अध्ययन हो सकेगा।

डॉ. अलका के अनुसार आदित्य-एल1 के पेलोड के जरिए कोरोनल हीटिंग की समस्या, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर एक्टिविटीज (गतिविधियां) और उनकी विशेषताएं जानने को मिलेंगी। अंतरिक्ष मौसम की गतिशीलता, कण और क्षेत्रों के प्रसार आदि को समझने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की भी संभावना जताई जा रही है।

मोहम्मद हसन, पूर्व छात्र और वैज्ञानिक

डॉ. अलका मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर

आदित्य-एल1 की सफलता के लिए शुक्रवार को मनकामेश्वर मंदिर में हवन हुआ।

आदित्य एल-1 की सफलता के लिए हवन-पूजन

लखनऊ। आदित्य एल-वन की सफलता के लिए शुक्रवार को डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में हवन पूजन किया गया। मंदिर की महंत देवागिरि के नेतृत्व में मंदिर के सेवादारों ने हवन में आहुतियां दीं। भक्तों ने भारत माता के जयकारे भी लगाए। मिशन की सफलता के गीत गाए। आयोजन में उपमा वाई, किरण, गीता, निर्मला मिश्रा, शैलजा देवी, ऊनी समेत अन्य महिलाएं शामिल रहीं।

PIONEER PAGE 3

बीटेक, फॉर्मेसी के लिए एलयू खुद लेगा दाखिले

फैसला

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब बीटेक, बीफार्मा व एमसीए में एकेटीयू काउंसलिंग से प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। एकेटीयू को संबद्धता मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने देख एलयू ने खुद प्रवेश लेने का फैसला कर लिया है।

एलयू में सत्र 2023-24 के लिए बीटेक, बीफार्मा व एमसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। विवि के इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई) 12 इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 60, बीफार्मा 10 एमसीए 30 सीटें।

भाषा विवि में फैसला नहीं

खाजा मौलूनीन विश्वी भाषा विश्वविद्यालय के कुलपती प्रो. एनी सिंह ने बताया कि एकेटीयू की ओर से काउंसलिंग के संबंध में अभी फैसला नहीं आया है। एलयू ने बीटेक, बीफार्मा और एमसीए के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि 50 फीसदी सीटों पर भाषा विवि अपनी प्रवेश परीक्षा से दाखिले की प्रक्रिया की जा रही है।

डीएवी, कालीचरण में अब 15 तक ले सकेंगे प्रवेश

लखनऊ। डीएवी डिग्री कॉलेज में यूजी और पीजी के पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए तारीख बढ़ा दी गई है। कॉलेज में अब 15 सितंबर तक प्रवेश लिए जाएंगे। डीएवी में बीए, बीएससी और एमए पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश दिए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों की 50 फीसदी सीटों पर सीधे दाखिले दिए जा रहे हैं। प्राचार्य प्रो. सुधांशु सिन्हा ने बताया कि कॉलेज में बीए की 550, बीएससी मैथ्स व बायो में 385 और एमए प्राचीन भारतीय इतिहास की 66 सीटें हैं। जिनकी पचास प्रतिशत सीटों पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश लिए जा रहे हैं। वहीं कालीचरण के प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने कहा कि कॉलेज में यूजी-पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश व आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर तक बढ़ा दी है।

THE PIONEER PAGE 2

खगोल तकनीक में अब आगे कदम बढ़ाएगा एलयू

LUCKNOW(1 Sept): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने भारतीय खगोल तकनीक को बढ़ावा देने के लिए ब्राटिनो टेक्नोलाजी गोरखपुर के साथ एमओयू पर साइन किए, वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने एलयू के खगोल विज्ञान विभाग के ऐतिहासिक महत्व को बताते हुए भारत के खगोल शास्त्र के क्षेत्र में उसकी महती भूमिका के बारे में बताया. डीन एकेडेमिक्स प्रो. पूनम टंडन, गणित और खगोल विज्ञान विभाग की प्रो. अलका मिश्रा, ब्राटिनो के निदेशक सचिंद्र नाथ मौजूद रहे. सचिंद्र ने विस्तार से बताया कि ब्राटिनो टेक्नोलाजी और लखनऊ विश्वविद्यालय अंतरिक्ष अनुसंधान और अंतरिक्ष जागरूकता कार्यक्रम के लिए नई तकनीक और उपकरण विकसित करने में सहयोग करेंगे.

बीटेक, एमसीए, बीफार्मा के लिए आवेदन

जेईई मेन्स, सीयूईटी यूजी व सीयूईटी पीजी कैंडीडेट 7 तक कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (1 Sept): डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी में संबद्धता पर राहत न मिलने से बीटेक, एमसीए और बीफार्मा कोर्स के दाखिले पर पड़ रहे असर को देखते हुए एलयू ने शुक्रवार को इन कोर्स में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन मांगे हैं. एलयू के फैसले के मुताबिक, जेईई मेन्स या सीयूईटी यूजी या सीयूईटी पीजी का एग्जाम देने वाले कैंडीडेट एलयू के इन तीनों कोर्स पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर दाखिला पा सकते हैं. कैंडीडेट 7 सितंबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एलयू की वेबसाइट पर जाकर कर सकते हैं. कैंडीडेट इंजीनियरिंग की सीएस एंड इंजीनियरिंग, एआई, मकैनिकल, सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के साथ-साथ एमसीए व बीफार्मा में रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं.

7 सितंबर तक करें रजिस्ट्रेशन

एलयू अधिकारियों के मुताबिक, कैंडीडेट्स 7 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं. एलयू 12 सितंबर को ऑनलाइन कट-ऑफ जारी करेगा. सेकंड कैम्पस में 13 से 17 सितंबर तक सीट अलॉटमेंट की प्रक्रिया चलेगी.

इतनी सीटें बीटेक में मौजूद...

सिविल: 60

120 कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग:	120 कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल:
60 इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन में इलेक्ट्रिकल: 60	60 मैकेनिकल इंजीनियरिंग:

CONCEPT PIC

संबद्धता पर फंसे पेंच के बाद फैसला

एकेटीयू को संबद्धता पर सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद एलयू ने यह फैसला लिया है. असल में एलयू बीटेक, एमसीए और बीफार्मा कोर्स में दाखिले एकेटीयू के जरिए लेता है. मौजूदा समय में एकेटीयू में संबद्धता विस्तार में हुई देरी के बाद कोर्ट से राहत न मिलने के कारण काउंसलिंग की प्रक्रिया पर कोई अपडेट नहीं किया गया है. ऐसे में एलयू में भी दाखिले में देरी हो रही थी. इसको देखते हुए एलयू ने वैकल्पिक व्यवस्था के जरिए दाखिला की प्रक्रिया पूरी करने पर फैसला लिया है.

● बीटेक में दाखिले के लिए जेईई मेन्स क्वालीफाई होना जरूरी

जो कैंडीडेट दाखिला लेना चाहते हैं, उनका एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया 10 प्लस 2 पास किया होना चाहिए, साथ ही जेईई मेन्स भी क्वालीफाई होना चाहिए. बीफार्मा के लिए पीसीबी या पीसीएम में 60 फीसदी जनरल व ओबीसी और 55 फीसदी रिजर्व कैटिगरी के लिए और सीयूईटी यूजी 2023 क्वालीफाई होना जरूरी है. एमसीए के लिए बीसीए, बीएससी, कंप्यूटर साइंस, आईटी या मैथमेटिक्स से 55 फीसदी के साथ सीयूईटी पीजी 2023 पास होना जरूरी है. एलयू में बीफार्मा की 100 और एमसीए की 30 सीटें हैं.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

देश की पहली स्वदेशी खगोल विज्ञान शोधशाला की स्थापना करेगा एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खगोलशास्त्र के क्षेत्र में ज्ञान और अन्वेषण को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय ब्राटिनो टेक्नोलॉजी के सहयोग से आने वाले समय में देश की पहली स्वदेशी खगोल विज्ञान शोधशाला की स्थापना करेगा। इस बावत शुक्रवार को भारतीय खगोल तकनीक को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय और ब्राटिनो टेक्नोलॉजी, गोरखपुर के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए गये। जिनका उद्देश्य भारतीय खगोल तकनीक को बढ़ावा देना है।

एमओयू का उद्देश्य भारत को खगोल अन्वेषण के नए युग में पहुँचाने हेतु कार्य करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अपने संबोधन में लखनऊ विश्वविद्यालय के खगोल विज्ञान विभाग के ऐतिहासिक महत्व को उजागर किया तथा भारत के खगोल शास्त्र के क्षेत्र में उसकी महती भूमिका पर प्रकाश डाला। ब्राटिनो टेक्नोलॉजी भारत के प्रथम स्वदेशी खगोल शोधशाला प्रौद्योगिकी में योगदान करने पर गर्व करता है और इस सहयोग के माध्यम से इस प्रौद्योगिकी को लगातार नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर डीन एकेडेमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन, गणित और खगोल विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अल्का मिश्रा, ब्राटिनो के निदेशक सचिन्द्र नाथ उपस्थित रहे। नाथ ने बताया कि ब्राटिनो टेक्नोलॉजी और लखनऊ विश्वविद्यालय अंतरिक्ष अनुसंधान और अंतरिक्ष जागरूकता कार्यक्रम के लिए नई तकनीक और उपकरण विकसित करने में सहयोग करेंगे। इस शैक्षिक सत्र से लागू इस समझौते के अंतर्गत की जाने वाली पहलों मे प्रमुख ध्यान अंतरिक्ष विज्ञान और खगोल शोधन सामग्री के विकास पर होगा।

अंतर्राष्ट्रीय छात्राओं ने मनाया कुलपति संग राखी का त्यौहार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रक्षा उत्सव पर लखनऊ विश्वविद्यालय के निवेदिता महिला छात्रावास की अंत:वासी अंतरराष्ट्रीय छात्राओं ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के साथ भारतीय परंपरा के अनुसार रक्षाबंधन मनाया। प्रो. राय का प्रयास रहा है कि अन्तरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय एवं छात्रावास में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े और उन्हें हमारे देश में अपने घर जैसा ही अनुभव हो, जिससे वह बेहतर ढंग से अपनी शिक्षा यहां पूर्ण कर सकें ।

इस मौके पर कुलपति ने छात्राओं को विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उनकी सुरक्षा एवं खुशहाली का आश्वासन दिया। साथ ही यह भी कहा कि इस तरह के पारंपरिक आयोजन हमें एक दूसरे देश की संस्कृति को जानने और समझने का अवसर प्रदान करते हैं और भविष्य में ऐसे आयोजन विश्वविद्यालय परिवार में होते रहने चाहिए। कुलपति ने सभी छात्राओं को राखी बांधने के उपरांत मिठाई व कुछ उपहार भी भेंट किये। इस अवसर पर निवेदिता छात्रावास की अभिरक्षिका प्रो संगीता साहू भी मौजूद रही